



खुद को साबित करने का बड़ा प्रलोभन

The Big Temptation to Prove Yourself

उद्देश्य (OBJECTIVE)

सेवकाई में हम सभी को एक सामान्य प्रलोभन का सामना करना पड़ता है — **खुद को साबित करने का**।
यहां तक कि **यीशु** को भी इस प्रलोभन का सामना करना पड़ा।

यह पाठ, यीशु के प्रलोभनों और पतरस की बहाली की घटनाओं से प्रेरित होकर, यह प्रकट करता है कि हमारी सेवकाई को **परमेश्वर के प्रेम, दूसरों की सेवा, और उसकी योजना में भरोसे** पर आधारित होना चाहिए।

स्मरण रखें: यीशु ने हमारी **विश्वास की स्थिरता** के लिए प्रार्थना की है, विशेष रूप से इन प्रलोभनों के समय।

सारांश (OVERVIEW)

- सेवकाई में सभी को आने वाला एक आम प्रलोभन
- जंगल में यीशु की परीक्षा (लूका 4)
- पतरस का मान्यता पाने का संघर्ष और बहाली (यूहन्ना 21)
- खुद को साबित करने के प्रलोभन का उत्तर (Antidote):
 - **प्रेम (Love):** सेवकाई परमेश्वर और दूसरों के लिए प्रेम पर आधारित होनी चाहिए
 - **सेवा (Service):** मान्यता की खोज के बजाय लोगों की सेवा और देखभाल पर ध्यान दें
 - **भरोसा (Trust):** यीशु के मार्ग का अनुसरण करें और अपनी नहीं, परमेश्वर की योजना पर भरोसा करें
- परमेश्वर पर भरोसा करने की **स्वतंत्रता और आनंद**
- निष्कर्ष: यीशु की हमारे विश्वास के लिए की गई प्रार्थना

संदर्भित बाइबल वचन (VERSES REFERENCED)

- लूका 4
- यूहन्ना 21
- लूका 22:32
- लूका 15

अध्ययन के लिए प्रश्न (QUESTIONS FOR FURTHER STUDY)

1. आप अपने जीवन में परमेश्वर के प्रति गहरा प्रेम कैसे विकसित कर सकते हैं, और कैसे यह प्रेम आपकी सेवकाई की नींव बन सकता है?
2. आपने किन तरीकों से अपनी सेवकाई में अपने बुलाहट को साबित करने या मान्यता पाने का प्रलोभन महसूस किया है?
3. क्या आपके जीवन में ऐसे क्षेत्र हैं जहाँ आप परमेश्वर के प्रेम से अधिक अपने आप पर भरोसा करते हैं?
4. आपके संदर्भ में “यीशु की भेड़ों को चराना” क्या अर्थ रखता है? वे लोग कौन हैं जिनकी सेवा करने के लिए परमेश्वर ने आपको बुलाया है?

अधिक अध्ययन के लिए वचन पद (SCRIPTURE FOR FURTHER STUDY)

- लूका 4
- यूहन्ना 21
- मत्ती 20:25-28
- मत्ती 6:25-34